NERL
National E-Repository Limited

कृषि मंथन | इंदौर, 16 से 30 जून 2018 | समाचार मंथन

नेशनल ई-रिपोजिटरी लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री केदार देशपांडे से कृषि मंथन की विशेष बातचीत

किसानों के लिए ईएनडब्ल्यूआर क्रांतिकारी कंसेप्ट

■ एनईआरएल क्या है और आपकी कंपनी का मुख्य क्षेत्र क्या है?

■ एनईआरएल का पूरा नाम नेशनल ई-रिपोजिटरी लिमिटेड है, जिसे नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड (एनसीडीईएक्स) द्वारा शुरू किया गया था। (आप अवगत होंगे कि एनसीडीईएक्स भारत के सबसे बड़े कृषि कमोडिटी डेरिवेटिव एक्सचेंजों में से एक है।) एनईआरएल इलेक्ट्रॉनिक रूप में डब्ल्यूडीआरए रजिस्टर्ड वेयर हाउसों में कमोडिटी के लिए इलेक्ट्रॉनिक वेयर हाउस रसीद जारी करता है जिसे ईएनडब्ल्यूआर कहा जाता है।

वेयर हाउसों का रजिस्ट्रेशन वेयर हाउस डेवलपमेंट और रेग्युलेटरी अथॉरिटी (डब्ल्यूडीआरए) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। डब्ल्यूडीआरए ने एनईआरएल को डब्ल्यूडीआरए रजिस्टर्ड वेयर हाउसों में ईएनडब्ल्यूआर उत्पन्न करने का लाइसेंस 26 सितंबर 2017 को दिया है। जैसे सेबी स्टॉक एक्सचेंजों को रेग्यूलेट करता है और आरबीआई देश में बैंकों को रेग्यूलेट करता है, हमें डब्ल्यूडीआरए रेग्यूलेट करता हैं। जैसे एनएसडीएल और सीडीएसएल भारत में स्टॉक एक्सचेंजों के लिए दो डिपॉजिटरी हैं, वैसे ही एनईआरएल कमोडिटी एक्सचेंजों के लिए यह एक रिपोसिटरी है।

हम, एनईआरएल में इलेक्ट्रॉनिक निगोशियेबल वेयर हाउस रसीदों (ईएनडब्ल्यूआर) का सुरक्षित संचालन का लक्ष्य रखते हैं। हमारा उद्देश्य वेयर हाउसों का उपयोग बढ़ाना, जोखिम को कम करना और लागत को कम करना है। इसके अलावा, हम ईएनडब्ल्यूआर को जारी करने, ट्रांस्फर करने, बैंक से लोन लेने और ई-एक्शन के लिए एक ऑनलाइन वेब आधारित प्लेटफार्म भी प्रदान करते हैं। हमारे शेयर होल्डर्स में एनसीडीईएक्स के अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट और आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड भी शामिल है, तो आप देख सकते हैं कि बहुत सम्मानजनक संस्थाएँ हमें समर्थन दे रहे हैं।

मुझे यकीन है कि हमारा प्रयास कमोडिटी बाजारों में सभी मूल्य प्रतिभागियों के लिए काफी अनुशासन लाएगा और भारतीय कमोडिटी बाजार की बढ़ती जरूरतों को भी पोषित करेगा।

■ आपके खयाल से एनईआरएल भारत के वेयर हाउसिंग इंडस्ट्री के रूप में कैसे बदलाव लाएगा?

■ अभी भारत में वेयर हाउसिंग व्यवसाय असंगठित होने के कारण

वेयर हाउस मैन कुछ कठिनाइयों से गुजर रहे हैं। कम किराए और कम आक्युपेंसी के कारण, वेयरहाउस मालिक इस समय एक संघर्षशील व्यवसाय में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा सेंट्रलाइज्ड रिकॉर्ड रखने और सीमित कानूनी पर्यावरण या संस्थागत सेटअप की अनुपस्थिति भी है।

एनईआरएल का प्रयास है कि डब्ल्यूडीआरए के समर्थन में इन वेयरहाउस मैन को रजिस्टर करवाकर उन्हें सफलतापूर्वक अपना व्यवसाय चलाने में हम सक्षम बना सकें। डब्ल्यूडीआरए के साथ रजिस्टर होने से वे डिपोजिटर्स को बेहतर सेवाएँ प्रदान कर पाएँगे और उनका विश्वास अर्जित करने में कामयाब होंगे। रजिस्टर्ड वेयरहाउस में साइंटिफिक वेयर हाउसिंग होने के कारण आक्युपेंसी बढ़ाने की संभावना बढ़ती है। डिपोजिटर्स के लिए सुविधाजनक होने के अलावा वेयरहाउस रसीदों के इलेक्ट्रॉनिक रूप को अपनाने के कई फायदे हैं। यह कृषि उपज, सक्षम लॉजिस्टिक मैनेजमेंट इत्यादि का स्टेंडर्डाइजेशन लाएगा। मुझे आपको यह सूचित करने में प्रसन्नता हो रही है कि ईएनडब्ल्यूआर को अब बैंकों द्वारा भी प्रोत्साहित किया जा रहा है जो डिपाजिटर्स को फिजिकल रसीदों में इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्विच करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। इन परिवर्तनों में समय लग सकता है, लेकिन एक बार प्रतिभागी इस कंसेप्ट को समझ लेंगे और इसके लाभ देखेंगे, तो हमारा काम और भी आसान हो जाएगा। यह वेयरहाउस मैन में उत्तरदायित्व और जिम्मेदारी का एक नया स्तर भी लाएगा, जिसकी हमारे देश को बहुत आवश्यकता है।

■ ईएनडब्ल्यूआर वेयरहाउस मैन और किसानों को किस तरह के लाभ प्रदान करेगा?

■ एक बार वे अपने व्यापार के लिए ईएनडब्ल्यूआर के लाभों को पहचान लें, फिर वेयरहाउस मैन इसमें ज्यादा रुचि दिखाएँगे। डिपॉजिटर्स और बैंकों का विश्वास और भरोसा जीतने के लिए ईएनडब्ल्यूआर की एक बड़ी भूमिका रहेगी। वे डब्ल्यूडीआरए रजिस्टर्ड वेयरहाउस में रखे स्टॉक के लिए सेंट्रलाइज्ड रिकॉर्ड रखने में मदद करते हैं और मध्यस्थों के बिना दूरदराज के इलाकों में डिपोजिटर्स से सीधे कनेक्ट हो सकते हैं। उदाहरण के लिए मध्यप्रदेश के किसी भी शहर का एक वेयरहाउस मालिक देश या राज्य के दूरदराज के इलाकों में रिपोजिटरी प्लेटफार्म के माध्यम से, मध्यस्थों पर निर्भर हुए बिना, डिपोजिटर्स तक आसानी से पहुँच सकता है। फिजिकल रसीदों पर कम निर्भरता स्टॉक रिकॉर्ड कीपिंग की परेशानियों से मुक्ति दिखाता है।

किसानों या डिपॉजिटर्स के लिए ईएनडब्ल्यीआर एक क्रांतिकारी कंसेप्ट है। हमें पूरा यकीन है कि एक बार डिपोजिटर्स ईएनडब्ल्यूआर को जब अपनाने के लाभों को समझ लेंगे, उन्हें फिजिकल रसीदों से इलेक्ट्रॉनिक रसीदों का उपयोग करना ज्यादा फायदेमंद लगेगा। बैंकों द्वारा ईएनडब्ल्यूआर को प्रोत्साहन के कारण, वेयरहाउस में रखी कमोडिटी के ऊपर वित्त प्राप्त करना डिपोजिटर्स के लिए बहुत आसान हो जाता है। ईएनडब्ल्यूआर ट्रांसफर और प्लेजिंग बहुत आसान और परेशानी मुक्त करने का दावा करता है। एक से ज्यादा ट्रांसफर करना भी आसान हो जाता है। रिपोजिटरी प्लेटफार्म की एक और खूबसूरत विशेषता है- लेनदेन की पारदर्शिता और ट्रांजेक्शन की हर स्तर पर पता लगाने की योग्यता है। डिपोजिटर्स आसानी से सिस्टम पर ट्रांजेक्शन के हर कदम को देख सकते हैं। ईएनडब्ल्यूआर से कृषि उपज का स्टेंडर्डाइजेशन भी हो जाता है जो कमोडिटी के ग्रेडिंग और जमाकर्ता को इंडस्ट्री स्टेंडर्ड के अनुसार अपनी कमोडिटी के लिए सही मूल्य का लाभ उठाने में भी मदद करता है। रसीदों के फटने या खराब होने, फोर्जरी या डुप्लिकेशन या पेपर रसीदों को खोने के डर से निपटने के दिन अब गए। हम डिपोजिटर्स को, ईएनडब्ल्यूआर की सुविधाओं द्वारा, उनकी अधिकांश समस्याओं को आसानी से कैसे हल किया जा सकता है, यह दिखाना चाहते हैं।

■ वेयर हाउसिंग के व्यवसाय में आप किस तरह की चुनौतियों का अनुमान लगाते हैं?

■ मुझे लगता है कि इसे चुनौती के रूप में नहीं, बल्कि एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। ईएनडब्ल्यूआर भारतीय बाजार के लिए एक बिल्कुल नया कंसेप्ट है और कुछ भी नया हमेशा पहले बाधाओं का सामना करता है। हमें ईएनडब्ल्यूआर को अपनाने के साथ-साथ डिपोजिटर्स और वेयरहाउस मैन को इससे परिचित करने और इसके उपयोग को प्रोत्साहित करने के क्षेत्र में और बहुत काम करना है। समय के साथ रिपोजिटरी प्रतिभागियों के संदेह या हिचकिचाहट भी दूर हो जाएगी।

■ डब्ल्यूडीआरए इलेक्ट्रॉनिक निगोशिएबल वेयरहाउस रसीदों (ईएनडब्ल्यूआर) को कैसे प्रोत्साहन दे रहा है?

■ एनसीडीईएक्स अब कमोडिटी के इलेक्ट्रॉनिक बैलेंस से हटकर एनईआरएल प्लेटफार्म पर जनरेट किए गए एक्सचेंज विशिष्ट ईएनडब्ल्यूआर की तरफ डिलीवरी दायित्वों को निपटाने के लिए 1 जून 2018 में परिवर्तित हो गया है। इसलिए डब्ल्यूडीआरए नियमों के मुताबिक, एनसीडीईएक्स अपने प्लेटफार्म पर कमोडिटी डेरिवेटिव कॉन्ट्रेक्ट्स में व्यापार/ सौदों के लिए 1 जून से ईएनडब्ल्यूआर प्रणाली में बदलाव कर रहा है। इसके अलावा, हमारे जागरूकता कार्यक्रमों में डब्ल्यूडीआरए काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जैसा कि आपने पिपरिया में देखा था। जैसा कि मैंने पहले कहा था, ईएनडब्ल्यूआर के कंसेप्ट से लोगों को परिचित कराने में बहुत काम की जरूरत है और डब्ल्यूडीआरए की मदद से हम लगातार इस पर जागरूकता फैला रहे हैं और डिपोजिटर्स और वेयरहाउस मैन को हमसे जुड़ने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

■ आपने इस जागरूकता कार्यक्रम के लिए पिपरिया जैसी जगह को क्यों चुना?

■ मैं चाहता था कि आप मुझसे यह सवाल पूछें। जागरूकता कार्यक्रम के लिए पिपरिया चुनने का हमारे पास बहुत अच्छा कारण था। अभी मध्यप्रदेश में लगभग 200 से अधिक वेयरहाउस हैं। उन वेयरहाउसों में से करीब 100 से भी ज्यादा वेयरहाउस पिपरिया या पास के क्षेत्रों में है। इसलिए इस जगह को चुनने के लिए यह एक शिक्षित निर्णय था।

इससे पहले हमने डब्ल्यूडीआरए के साथ रजिस्टर होने में वेयरहाउस मैन की ओर से हिचकिचाहट महसूस किया। इसलिए हमने उन्हें हमसे जोड़ने की कोशिश को एक चुनौती के रूप में लिया। हम अपनी कोशिश में अटल हैं। हम उन सभी वेयरहाउस मैन के साथ दोबारा 15 जून के बाद बात करेंगे जिन्होंने पिपरिया के कार्यक्रम में भाग लिया और उन्हें एक ईएनडब्ल्यूआर सिस्टम पर लाने का प्रयत्न करेंगे। हमें यकीन है कि वेयरहाउस मैन के हमारे लिए और अधिक प्रश्न होंगे और उनकी शंकाओं को दूर करने में हमें बेहद खुशी होगी।